Paper - IV

MT

Seat No. | | | | | | | |

2019 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 2 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 50**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग (उपयोजित लेखन) में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य : 12 अंक

प्रश्न 1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

राजेंद्र बाबू को मैंने पहले - पहले एक सर्वथा गद्यात्मक वातावरण में ही देखा था परंतु उस गद्य ने कितने भावात्मक क्षणों की अटूट माला गूँथी है, यह बताना कठिन है । मैं प्रयाग में बी. ए. की विद्यार्थी थी और शीतावकाश में घर भागलपुर जा रही थी । पटना में भाई के मिलने की बात थी, अत: स्टेशन पर ही प्रतीभा के कुछ घंटे व्यतीत करने पड़े । स्टेशन के एक ओर तीन पैरोंवाली बेंच पर देहातियों की वेशभूषा में कुछ नागरिकों से घिरे सज्जन जो विराजमान थे, उनकी ओर मेरी विहंगम दृष्टि जाकर लौट आई । वास्तव में भाई से यह जानने के उपरांत कि उक्त सज्जन ही राजेंद्र बाबू हैं, मुझे अभिवादन का ध्यान आया । पहली दृष्टि में ही जो आकृति स्मृति में अंकित हो गई थी, उसमें इतने वर्षों ने न कोई नई रेखा जोड़ी है और न कोई नया रंग भरा है । सत्य में से जैसे कुछ घटाना या जोड़ना संभव नहीं रहता वैसे ही सच्चे व्यक्तित्व में भी कुछ जोड़ना - घटाना संभव नहीं है ।

(1) कृति पूर्ण कीजिए। **2**

(i)

(ii)

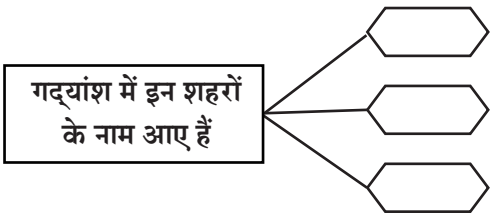

(2) (i) **निम्नलिखित शब्दों के अर्थ गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(I) नजर (II) प्रणाम

(ii) **निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।** **1**

(I) व्यक्ति की विशेषता या गुण - (II) शीत ऋतु में होनेवाली छुट्टियाँ -

(3) **' सच्चे व्यक्तित्व की पहचान' का आधार बताइए।** **2**

प्रश्न 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया - सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी । उसके रूप में कहीं कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था । उसने नगर से बाहर बड़े - से - पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा । धीरे - धीरे सारे नगर में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाया है । लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे - धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया । सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी । लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते हैं । अपनी इस कीर्ति से साधु का कभी - कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन - ही - मन वह अपनी सफलता पर मुस्कराया करता ।

(1) **संजाल पूर्ण कीजिए।** **2**

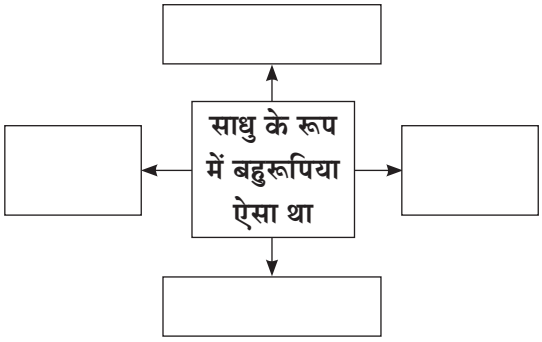

(2) (i) **वचन बदलिए।** **1**

(I) डेरा - ..... (II) झोपड़ी - .....

(ii) **निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग छाँटकर लिखिए।** **1**

(I) महात्मा - ..... (II) उपदेश - .....

(3) **'साधु माला, जटा, त्रिपुंड, कमंडल, तिलक, भस्म क्यों धारण करते हैं? अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 2 - पद्य : 10 अंक

प्रश्न 2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

पावस का मधुमास आस - विश्वास बढ़ाता,
नत मस्तक होकर 'अचूक' पद पुष्प चढ़ाता ।
सदा - सदा से चलती आई हँसी - ठिठोली,
सोंधी - सोंधी - सी सुगंध, माटी से बोली,

(1) (i) **समझकर लिखिए।** **1**

(I) सदा-सदा से यह चली आई है - (II) यह नतमस्तक हो गए हैं -

(ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

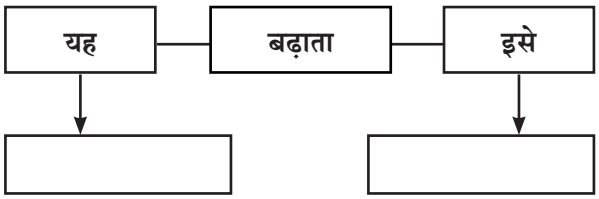

(2) **निम्नलिखित तत्सम शब्द का तद्भव रूप लिखिए।** **1**

(i) पद (ii) मास

(3) **'मनुष्य जीवन में वर्षा का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।** **2**

प्रश्न 2 (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

कवि के मानस में स्वप्न बना
छाया था जो सीमित वसंत,
होगा जन - जन के जीवन में
साकार, विपुल जब वह अनंत,
जब मनुओं का जग, भू पर ही
अभिनव 'नंदन" बन जाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?

(1) (i) **समझकर लिखिए।** **½**

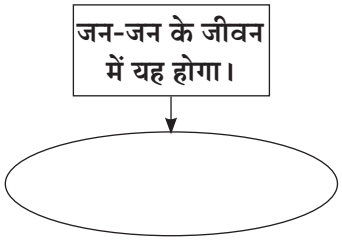

(ii) **निम्नलिखित शब्द पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों -** ½
नंदन

(iii) **निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए।** 1
(I) कवि को जन-जन की चिंता है।
(II) मानव की दुनिया यह धरती का अभिनव नंदन नहीं बन सकती।

(2) निम्नलिखित शब्द से उपसर्ग अलग कीजिए और संबंधित उपसर्ग से अन्य दो शब्द तैयार कीजिए। 1
अभिनव

(3) 'धरती को स्वर्ग-सी सुंदर बनाने के लिए मेरा प्रयास .....।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। 2

विभाग 3 - व्याकरण विभाग : 10 अंक

प्रश्न (3) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

(1) निम्नलिखित शब्दों में से मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए । 1
(i) विश्वास / विशवास / विसवास (ii) मसतक / मस्थक / मस्तक

(2) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए । 1
इसलिए

(3) (i) **काल परिवर्तन कीजिए ।** 1
मुझे अभिवादन का ध्यान आया। (पूर्ण भूतकाल)

(ii) **काल पहचानिए ।** 1
कहाँ तक चल रहे हैं?

(4) (i) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** 1
खाली हाथ लौटना

(ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** 1
(चौपट हो जाना, निछावर करना, नाक-भौं सिकोड़ना, मन मारना, फूला न समाना, दंग रह जाना)
अचानक पिता जी द्वारा पर्यटन पर जाने का निर्णय सुनकर बच्चे बहुत आनंदित हुए।

(5) (i) **निम्नलिखित संधि विच्छेद की संधि कीजिए और भेद लिखिए।** 1

संधि विच्छेद	संधि शब्द	संधि भेद
सदा + एव		

(ii) **निम्नलिखित शब्दों का विच्छेद कीजिए और भेद लिखिए।** 1

शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
दुस्साहस		

(6) (i) **निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के अनुसार भेद लिखिए।** **1**

सुबह उठता हूँ तो थोड़ी ताजगी महसूस होती है।

(ii) **सूचना के अनुसार वाक्य का प्रकार बदलिए ।** **1**

जो छात्र परिश्रम करेंगे, उन्हें सफलता अवश्य मिलेगीं। (सरल वाक्य)

विभाग 4 - उपयोजित लेखन : 18 अंक

प्रश्न 4 (अ) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **4**

विकासपुर, थाना में कचरे के डिब्बे में भरा कचरा सड़ रहा है। अत: वहाँ के निवासी त्रस्त हैं। इस संदर्भ में प्रियांश/प्रियांशी जोशी, स्वास्थ्य अधिकारी, नगर परिषद, थाना को शिकायत पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

आपके विद्यालय की सैर का वर्णन करने वाला पत्र अपनी सहेली या अपने मित्र को लिखिए। (पत्र निम्न प्रारूप में हों।)

प्रश्न 4 (आ)

(i) **दिए गए शब्दों के आधार पर आधारित कहानी लिखिए।** **4**

(थैली, जल, तस्वीर, अँगूठी)

अथवा

(ii) **निम्नलिखित परिच्छेद के आधार पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए। जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो।** **4**

''कोई काम छोटा नहीं। कोई काम गंदा नहीं। कोई भी काम नीचा नहीं। कोई भी काम असंभव भी नहीं कि व्यक्ति ठान ले और ईश्वर उसकी मदद न करे। शर्त यही है कि वह काम, काम का हो। किसी भी काम के लिए 'असंभव', 'गंदा', या 'नीचा' शब्द मेरे शब्दकोश में नहीं है।'' ऐसी वाणी बोलने वाली मदर टेरेसा को कोढ़ियों की सेवा करते देखकर एक बार एक अमेरिकी महिला ने कहा, ''मैं यह कभी नहीं करती।'' मदर टेरेसा के उपरोक्त संक्षिप्त उत्तर से वह महिला शर्म से शिकुड़ गई थी। सचमुच ऐसे कार्य का मूल्य क्या धन से आँका जा सकता है या पैसे देकर किसी की लगन खरीदी जा सकती है ? यह काम तो वही कर सकता है, जो ईश्वरीय आदेश समझकर अपनी लगन इस ओर लगाए हो। जो गरीबों, वंचितों, जरूरतमंदों में ईश्वरीय उपासना का मार्ग देखता हो और दुखी मानवता में उसके दर्शन करता हो। ईसा, गाँधी, टेरेसा जैसे परदुख कातर, निर्मल हृदय वाले लोग ही कोढ़ियों और मरणासन्न बीमारों की सेवा कर सकते हैं और 'निर्मल हृदय' जैसी संस्थाओं की स्थापना करते हैं।

प्रश्न 5 (अ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए। **4**

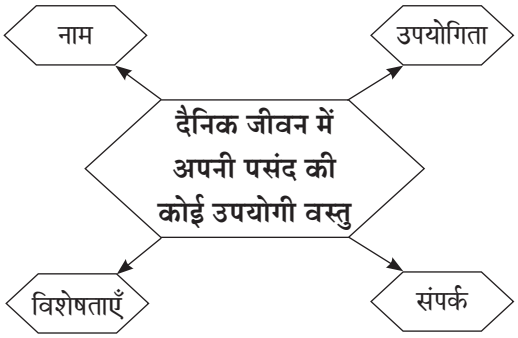

प्रश्न 5 (आ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ७० से ८० शब्द में निबंध लिखिए । **6**

(1) विश्व बंधुता : वर्तमान युग की माँग

(2) भाषा मनुष्य के लिए वरदान।

Best Of Luck